विशेष शिक्षा (Special Education)

<u>विशेष शिक्षा का अर्थ और परिभाषा</u>-आपवादी बालकों की विशेष समस्याएं और जरूरतें होती हैं और जो शिक्षा इन जरूरतों की पूर्ति करती है वहीं विशिष्ट शिक्षा कहलाती है।

हैलाहन और काकमैन कहते हैं-"विशेष शिक्षा से तात्पर्य है विशेष प्रकार से निर्मित अनुदेशन को एक अपराधी बालक की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करता है।"

<u>विशेष शिक्षा का आधुनिक दर्शन</u>-

1-पहचान अनिवार्य

2-मूलता विशिष्ट बालक अन्य बालकों के समान

3-व्यक्तिगत निर्देशन विशिष्ट बालकों के लिए जरूरी

<u>विशेष शिक्षा के उद्देश्य</u>-

1-समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन

2-समायोजन में सहायता

3-अध्यापकों ,अभिभावकों और विद्यालय प्रशासन को मदद देना

4-दिन प्रतिदिन की समस्याएं हल करने योग्य बनाना

5-आर्थिक स्वतंत्रता के योग्य बनाना

6-योग्यता का अधिकतम विकास

<u>विशेष शिक्षा की आवश्यकता</u>-

विशेष शिक्षा से संबंधित कुछ आवश्यक बातों को यहां स्पष्ट किया जा रहा है।

1-मानवतावादी विचार धारा

2-कुंठाओ, मानसिक ग्रंथियों और निराशा को कम करना

3-संपूर्ण मानवीय शक्ति का सदुपयोग

4-समायोजन का दृष्टिकोण

5-समुचित विकास

6-विशिष्टता का आधार

विशिष्टता के कारण-जब कभी कभी बालक असाध्य हो जाता है । तो ऐसे हालात में वह अपने आप को कोसता है और यह सोचता है कि कुंठा का कारण वह खुद है।

क-क्षतिपूर्ति-व्यक्ति जब अपनी शारीरिक और अपनी मानसिक कमियों की वजह से अपनी जरूरतों को पूरा नहीं कर पाता है। तो वह अपने अंदर दूसरी योग्यता का विकास करता है और अपनी जरूरतों को इस तरह से पूरा करता है।

इस तरह की छतिपूर्ति कई तरह से की जा सकती है

1-आत्मीकरण

2-प्रतिस्थापन

3-अप्रत्यक्ष क्षतिपूर्ति

4-मार्गाआंतरिक करण

ख-<u>प्रक्षेपण</u>-व्यक्ति ने अपनी अपूर्ण इच्छाओं भावना और संवेग को दूसरे व्यक्ति पर आरोपित कर के देखता है तथा संतोष की अनुभूति करता है।

ग-<u>दिवास्वप्न</u>-इस युक्ति में व्यक्ति अपनी कुंठा को विचारों द्वारा दूर करने की कोशिश करता है ऐसी बाधाएं जो चिंता को पैदा करती हैं और उनके विचारों की मदद से दूर किया जा सकता है।

<u>विशिष्ट बालकों की विशेषताएं या गुण</u>-

यहां पर विशिष्ट बालकों की विशेषताओं का वर्णन निम्न प्रकार से किया गया है।

1-**<u>सृजनशील बालक</u>-आईजैक** और उनके साथियों के अनुसार सर्जनशीलता ऐसी योग्यता है जिसकी मदद से नए संबंधों की जानकारी मिलती है इससे चिंतन के प्रचलित प्रतिमाओं से अलग हटकर असाधारण विचारों का जन्म होता है वास्तव में अगर हम सही से देखें तो सर्जनशील बालक होता है वह अपने व्यवहार क्रियाकलाप और तार्किक क्षमता में सामान्य बालको से बिल्कुल अलग दिखाई पड़ता है। सृजनशील बालक जो भी कार्य करते हैं उनमें नयापन और मौलिकता दिखाई पड़ती है।

2-**<u>पिछड़े बालक</u>**-प्रतिभाशाली और साधारण बालकों की तुलना में पिछड़े बालकों की शारीरिक और मानसिक विशेषताएं अलग होती हैं अध्ययनों के आधार पर यह बात सामने आई है कि पिछड़े बालकों में अपनी उम्र से कम योग्यता होती है और मौलिकता भी कम मात्रा में पाई जाती है पिछड़े बालकों में आत्महीनता और विचार की ग्रंथियां होती हैं ग्रंथियों का प्रभाव पिछड़े बालकों के व्यवहार पर पड़ता है।

3-**मंदबुद्धि बालक**-औसत बालको से मंदबुद्धि बालक अलग नहीं होते हैं। लेकिन इनमें वातावरण की वजह से व्यक्तिगत भिन्नता जरूर पाई जाती है। इन मंदबुद्धि बालकों मे सफलता और असफलता के प्रभाव को आसानी से देखा जा सकता है ।ऐसे बालक शरीर से रोगी और शिथिल दिखाई पड़ते हैं। इनके अंग संचालन का इनके दिमाग से तालमेल नहीं बैठ पाता है ।और गंभीर अभ्यास करने के बाद भी गलती होती रहती है ।इनकी बुद्धि लब्धि 50 से 80 के बीच स्थित होती है।

4-**प्रतिभाशाली बालक** -हर समाज में प्रतिभाशाली बालक पाए जाते हैं पर जिन पर जातियों की पूर्व पृष्ठभूमि अच्छी होती है आर्थिक सामाजिक और शैक्षिक उनमें प्रतिभाशाली बालकों के पैदा होने की संभावना ज्यादा होती है मनो वैज्ञानिक अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि ज्यादातर प्रतिभाशाली बालक सामान्य बालकों की तुलना में अपेक्षाकृत लंबे स्वस्थ और सुगठित शरीर वाले होते हैं। इनका शारीरिक विकास जल्दी हो जाता है यह बोलना और चलना सीख ले सीख जाते हैं ऐसे बालकों में पुरुषत्व के लक्षण लगभग 12 वर्षों में ही दिखाई पड़ने लगते हैं यह लिखना पढ़ना स्कूल जाने से पहले ही सीख जाते हैं।

5-**विकलांग बालक**-विकलांग बालक दो तरह के होते हैं। एक मानसिक विकलांग और एक शारीरिक विकलांग दोनों ही तरह के विकलांग बालकों में अपनी कुछ विशेषताएं भी रहती हैं यही विशेषताएं इनको सामान्य श्रेणी से अलग रखती हैं शारीरिक तौर पर जो बालक विकलांग होते हैं उनमें समायोजन की समस्या पाई जाती है यह वाला कैसे कार्य को नहीं कर पाते जिनको सामान्य बालक

आसानी से कर लेते हैं दूसरी तरह की विकलांगता मानसिक बालकों की होती है इन बालकों में रचनात्मकता और कल्पनात्मक शक्ति नहीं होती है प्रेरणा शक्ति का अभाव होता है। इनको शिक्षण दे पाना बड़ा ही कठिन कार्य होता है ।यह बालक दूसरों के साथ अपना समायोजन करने में असमर्थ होते हैं।

6-**अपराधी बालक**-बाल अपराधियों से संबंधित तमाम तरह की शारीरिक मानसिक और लैंगिक विशेषताओं का उल्लेख मनोवैज्ञानिकों द्वारा किया गया है कुछ विद्वानों ने बाल अपराधी की पांच प्रकार की विशेषताएं बताई यह विशेषताएं इस प्रकार से है।

*लैंगिक व्यवहार

*शारीरिक

*मानसिक

*मनो व्यवहारिक

विशेष शिक्षा के आवश्यक व्यवस्था साधन-

1-विशेष कक्षाएं

2-अनुदेशन तकनीकी का प्रयोग

3-विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था

4-सुधार तकनीकी का प्रयोग

5-विशेष उपकरणों का प्रयोग

<u>विशेष शिक्षा में विशेष कार्यक्रम</u>-किसी प्रकार की शिक्षा कार्यक्रमों के अंतर्गत निम्न प्रकार की विशेषताएं होनी चाहिए।

1-आवासीय विद्यालय

2-नियमित कक्षा अध्यापक

3-परिवार में अनुदेशन

4-विशेष शिक्षा विद

5-चिकित्सालय में अनुदेशन

6-विशेष दिवस विद्यालय

7-संसाधन अध्यापक

8-विशेष स्वयं परिपूर्ण कक्षाए

<u>विशिष्ट बालकों को मुख्यधारा में शामिल करना</u>-तीन परिस्थितियां **काफमैन** द्वारा अपराधी बालकों को मुख्यधारा में शामिल करने के उद्देश्य से बतलाई गई हैं।

1-उत्तरदायित्व का स्पष्टीकरण

2-समेकित शिक्षा

3-शिक्षा नियोजन

<u>विशेष शिक्षा का क्षेत्र-</u>

1-**<u>सृजनशील बालकों के लिए</u>**-ऐसे बालक जो रचनात्मक प्रवृत्ति की योग्यता रखते हैं कल्पनाशील और तार्किक मानसिक योग्यता वाले होते हैं वे सर्जनशील कहलाते हैं।

2-**प्रतिभाशाली बालकों के लिए**-इसमें उच्च बुद्धि वाले बालकों को रखा जाता है इनकी बुद्धि लब्धि140-180 के बीच होती है।

3-**अपराधी बालक**-ऐसे बालक जो किसी व्यवस्था के खिलाफ या समाज विरोधी काम करते हैं वे अपराधी बालक कहलाते हैं।

4-**मंदबुद्धि बालक**-इस चित्र में ऐसे बालकों की शिक्षा व्यवस्था शामिल होती है जिन की बुद्धि लब्धि 60-70 के बीच होती है।

5-**समस्यात्मक बालकों के लिए**-वह बालक जिनका व्यक्तित्व और व्यवहार आसामान्य हो जाता है उनको समस्यात्मक बालक कहा जाता है।

6-**पिछड़े बालकों के लिए विशिष्ट शिक्षा**-क्षेत्र में ऐसे बच्चों की शिक्षा को शामिल किया गया है जिन्हें उनकी कक्षा में सामान्य बालकों में पिछड़ा समझा जाता है ऐसे बालकों की बुद्धि लब्धि और सामान्य बालकों से कम होती है।

7-**विकलांग बालकों के लिए**-जन्म से या किसी आपदा की वजह से जो बालक विकलांग हो जाते हैं उन्हें विशेष शिक्षा से संबंधित एक अलग वर्ग में रखा जाता है।